## पद २७९ (राग: झिंजोटी - ताल: धुमाळी)

सांवर कछु काला।।२।। मानिकके प्रभु या ब्रिजमोहन। बन्सी

बजाय जादू डाला ।।३।।

मेरी जान बांका मुरलियावाला।।ध्रु.।। मोर मुगुट मकराकृति

कुंडल । गला बैजयंती माला ।।१।। वेदभुजा पीतांबर सोहे । कछु